

स्थानों पर भी तेल क्षेत्र का विस्तार है। सौराष्ट्र में भावनगर से 45 किमी. दूर अलियाबेट द्वीप में भी तेल का पता लगाया जा चुका है।

भारत में डाक

वर्ष 1766 लॉर्ड क्लाइव द्वारा स्थापित इस डाक-व्यवस्था का आगे विकास वारेन हेस्टिंग्स ने वर्ष 1774 में एक पोस्टमास्टर जनरल के अधीन कलकत्ता जी.पी.ओ. की स्थापना करके किया। मद्रास एवं बंबई की अन्य प्रेसीडेंसियों में जनरल पोस्ट ऑफिस क्रमशः 1786 एवं 1793 में अस्तित्व में आया। 1837 अधिनियम ने सर्वप्रथम तीन प्रेसीडेंसियों में पोस्ट ऑफिस संगठन को एक अलग भारतीय सेवा के रूप में समान आधार पर एक करने के लिए विनियमित किया।

1854 के पोस्ट ऑफिस अधिनियम ने डाक प्रणाली के स्वरूप आमूल चूल संशोधन किया और भारतीय पोस्ट ऑफिस व्यवस्था की एक सौ तिरपन वर्षों पूर्व 1 अक्टूबर 1854 को वर्तमान प्रशासनिक नींव रखी गई थी। वर्तमान में भारतीय पोस्ट ऑफिस अधिनियम, 1898 देश में पोस्टल सेवाओं को नियंत्रित कर रहा है।

भारत 1876 से यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यू.पी.यू.) का और 1964 से एशिया पैसिफिक पोस्टल यूनियन (ए.पी.पी.यू.) का सदस्य है।

भारत 217 से भी अधिक देशों के साथ स्थलीय और विमान सेवा द्वारा पत्रों का आदान-प्रदान करता है।

भारत से 27 देशों के साथ मनीआर्डर सेवा की व्यवस्था है। भारत का भूटान एवं नेपाल के साथ दोतरफ मनीआर्डर सेवा का संबंध है।

अंतर्राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक मनीआर्डर सेवा जो 1986 में पांच देशों के साथ शुरू की गई थी, अब उसका विस्तार 97 देशों के साथ हो गया है।

खास ग्राहकों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उपयोगी सेवाओं के विज्ञापन एवं प्रोत्साहन के उद्देश्य से 1996 में एक व्यापार विकास निदेशालय की स्थापना की गई थी। पोस्टल उत्पादों के संपूर्ण भंडार के विज्ञापन पर तीक्ष्ण दृष्टि प्रदान करने के लिए 1 अप्रैल, 2005 को निदेशालय को व्यापार विकास एवं विपणन निदेशालय के रूप में पुनर्संगठित किया गया।

स्पीड पोस्ट सेवा 1 अगस्त, 1986 को शुरू किया गया था।

इंटरनेट आधारित ट्रेक ऐंड ट्रेस सर्विस स्पीड नेट को 3 जनवरी, 2002 को शुरू किया गया था।

बिजनेस पोस्ट: इस विभाग ने 1 जनवरी 1997 से पूर्व मेलिंग प्रक्रियाओं के लिए थोक ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बिजनेस पोस्ट शुरू किया है।

बिल मेल सेवा: आवधिक संचार के मेल के लिए मूल्योपयोगी हल प्रदान करने के लिए 15 सितंबर, 2003 को बिल मेल सेवा शुरू की गई थी।

लॉजिस्टिक पोस्ट: इस विभाग द्वारा 2004-05 में एक लॉजिस्टिक पोस्ट सेवा शुरू की गई थी।

ई-पोस्ट: 30 जनवरी, 2004 को शुरू की गयी इस सेवा के अंतर्गत देश के सभी पोस्ट ऑफिसों में ई-मेल के माध्यम से संदेशों या तस्वीरों को भेजने और प्राप्त करने की सुविधा लोगों को प्रदान की जाती है।

डाक टिकट संग्रह (फिलेटली)

डाकघर बचत बैंक (पीओएसबी) भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की लघु बचत योजनाओं को एक एजेंसी के आधार पर क्रियान्वित करता है।

अंतर्राष्ट्रीय मनी ट्रांसफर सेवा (अंतर्राष्ट्रीय धन अंतरण सेवा): यह सेवा बहुराष्ट्रीय कंपनी, वेस्टर्न यूनियन फायनेंशियल सर्विसेज इंटरलेशनल के सहयोग से ग्राहकों को 205 देशों और क्षेत्रों से एक वास्तविक समय के आधार पर भेजे गए रुपये को प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करती है।

तत्काल मनीआर्डर (आईएमओ): यह एक ऑन लाइन घरेलू मनी ट्रांसमिशन

सेवा है जिसका उद्देश्य बाजार में ग्राहकों को उनके लिए भेजे गए रुपयों को उसी क्षण रुपया उपलब्ध कराया जाए।

पोस्टल फायनेंस मार्ट की स्थापना का उद्देश्य बाजार के मानकों के अनुरूप क्षमतावर्धित डाकखाने में और ग्राहकोन्मुख वातावरण में विशिष्ट मूल्यसंवर्धित वित्तीय सेवाएं प्रदान करना है।

फरवरी 2001 से 1000 डाकखानासं के निरंतर बढ़ता नेटवर्क चुनींदा म्युचुअल फंड का वितरण कर रहा है। यह फंड हैं: प्रिंसीपल, यूटीआई, एसबीआई, फ्रेंकलिन टेम्पलटन एवं रिलायंस म्युचुअल फंड।

डाक विभाग ने 10 अक्टूबर 2008 को ईएमओ सेवा आरंभ की है। इलेक्ट्रॉनिक मनीआर्डर प्रणाली के अंतर्गत मनीआर्डर की राशिको को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भेजा जाता है।

भारत सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (नरेगा) सितंबर, 2005 में लागू किया था। इसका उद्देश्य देश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित परिवारों की आजीविका सुरक्षा को बढ़ाना है। इसमें प्रत्येक ग्रामीण परिवार को हरेक वित्त वर्ष में कम से कम 100 दिन का गारंटीशुदा का मजदूरी रोजगार देने का प्रावधान है।

डाक जीवन बीमा की शुरुआत 1884 में डाक कर्मचारियों के लिए कल्याण के उपाय के तौर पर की गई थी।

सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 को विभाग में लागू करने के अतिरिक्त भारतीय डाक विभाग आम जनता को विशिष्ट सेवा दे रहा है।

इस परियोजना का उद्देश्य डाकघरों की नई पहचान बनाना है, जिसके लिए उनमें भीतरी और बाहरी साज-सज्जा को आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है। इसके साथ ही उनमें बुनियादी ढांचा सुधारा जा रहा है।

विश्व के कुछ प्रमुख ज्वालामुखी

नाम	देश
आजोसडेल सेलेडो	अर्जेंटीना-चिली
कोटोपैक्सी	इक्वेडोर
पोपोकैटैपिटल	मैक्सिको
मोनालोआ	हवाईद्वीप
माउंट कैमरून	कैमरून (अफ्रीका)
माउंट इरेबस	रॉस (अंटार्कटिका)
माउंट एटना	सिसली (इटली)
माउंट पीली	मार्टिनीक द्वीप
हेक्ला व लाकी	आइसलैंड
विसुवियस	नेपल्स की खाड़ी (इटली)
स्ट्रॉम्बोली	लिपारी द्वीप (भूमध्यसागर)
क्राकाटाओ	इंडोनेशिया
कटमई	अलास्का (U.S.A.)
माउंट रेनियर	(U.S.A.)
माउंट शस्ता	(U.S.A.)
चिम्बारेजो	इक्वेडोर
फ्यूजीयामा	जापान
माउंट ताल	फिलीपींस
माउंट पिनाटुबो	फिलीपींस
देमबंद	ईरान
कोहसुल्तान	ईरान
माउंट पोपा	म्यांमार (बर्मा)
किलिमंजारो	तंजानिया
मेयाना	फिलीपींस

विश्व की प्रमुख पर्वत श्रेणियाँ

नाम	स्थिति	सर्वोच्च बिंदु
1. कार्डिलेरा डि लॉस एंडीज एकाकागुआ	पश्चिमी दक्षिण अमेरिका	सर्वोच्च बिंदु
2. राकी पर्वत श्रेणी	पश्चिमी उत्तरी अमेरिका	माउंट एल्वर्ट
3. हिमालय-काराकोरम-हिन्दुकुश	दक्षिणी मध्य एशिया	माउंट एवरेस्ट
4. ग्रेट डिवाइडिंग रेंज	पूर्वी आस्ट्रेलिया	कोस्युस्को
5. ट्रान्स अंटार्कटिका पर्वत	अंटार्कटिका	माउंट विन्सन मैसिफ
6. तिबेटशान	दक्षिणी मध्य एशिया	पीक पोवेडा
7. अल्टाई माउंटेन्स	मध्य एशिया	गोरा बेलुखा
8. यूराल पर्वत श्रेणी	मध्य रूस गोरा	नैरोडनाया
9. कमचटका स्थित श्रेणी	पूर्वी रूस	कल्यूचेव्सकाया
10. एटलस पर्वत	उत्तरी-पश्चिमी अफ्रीका	जेवेल टाउबकाल
11. वखोयान्स्क पर्वत	पूर्वी रूस	गोरा मास खाया
12. पश्चिमी घाट अनाइमुदी	पश्चिमी भारत	
13. सियरा माद्रे	ओरिएंटल मैक्सिको	ओरीजावा
14. जाग्रोस पर्वत श्रेणी	ईरान	जाड कुह
15. एल्बुर्ज	ईरान	देमाबंद
16. स्कैंडिनेवियन रेंज	पश्चिमी नार्वे	गैलदोपिजेन
17. पश्चिमी सियरा माद्रे	मैक्सिको	नेवाडो डि कोलिमा
18. ड्रेकेंसबर्ग	दक्षिण-पूर्व अफ्रीका	दवानाएन्टलेन्याना
19. काकेशस	रूस एलब्रुश	(पश्चिमी चोटी)
20. अलास्का श्रेणी	अलास्का (सं.रा.अमेरिका)	माउंट मैकिनले
21. कार्स्केड रेंज	सं.रा.अमेरिका-कनाडा	माउंट रैनियर
22. एपेनाइन	इटली	कोनो ग्रेण्डे
23. अप्तेशियन्स	पूर्वी सं.रा. अमेरिका-कनाडा	माउंट मिचेल
24. आल्प्स ब्लैंक	मध्यवर्ती यूरोप	माउंट
25. सियरा माद्रे डेल सुर	मैक्सिको	टियोटेपेक

प्रमुख पठार व उनकी स्थिति

नाम	स्थिति
एशिया माइनर	तुर्की
अनातोलिया का पठार	तुर्की
मेसेटा पठार	आइबेरिया प्रायद्वीप (स्पेन)
चियापास पठार	द. मैक्सिको
अलास्का/यूक्रॉन पठार	स.रा. अमेरिका
कोलम्बिया पठार	स.रा. अमेरिका
ग्रेट बेसिन पठार	स.रा. अमेरिका
कोलोरेडो पठार	स.रा. अमेरिका
ग्रीनलैंड पठार	ग्रीनलैंड

प्रमुख मरुस्थल व उनकी स्थिति

नाम	स्थिति
सहारा (लीबिया तथा नूबियन मरुस्थल)	उत्तरी अफ्रीका
बारबर्टन, सिम्पसन, गिब्सन, स्टुअर्ट-स्टोनी	आस्ट्रेलिया
ग्रेट विक्टोरिया, ग्रेट सैंडी	
नाफूद, हमद, रब-अल-खाली	सऊदी अरब
गोबी	मंगोलिया व चीन
कालाहारी	बोत्सवाना
तकला माकन	सीक्यांग प्रान्त (चीन)
सोनोरान	स.रा. अमेरिका तथा मैक्सिको
नामिब	नामीबिया

काराकुम	तुर्कमेनिया
थार मरुभूमि	उ.प. भारत व पाकिस्तान
सोमाली मरुभूमि	सोमालिया
अटाकामा	उत्तरी चिली
काइजिल कुम	उजबेकिस्तान
दस्त-ए-लुत	पूर्वी ईरान
दस्त-ए-कबीर	दक्षिणी ईरान
मोजेब या मोहावे	स.रा. अमेरिका
संचुरा, सियरा	नेवादा
पेंटागोनिया	अर्जेंटिना

झीलों से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तथ्य

- * बैकाल (रूस) विश्व की सबसे गहरी झील है। ओनेगा व लाडोगा रूस की अन्य महत्वपूर्ण झील हैं।
- * 'लेक आयर' आस्ट्रेलिया की एवं 'लेक चाड' चाड, कैमरून, नाइजीरिया व नाइजर की महत्वपूर्ण झील है।
- * ओनकाल (युगांडा) एवं हाई स्वान (मिस्र) मानव निर्मित झील है।
- * तिब्बत के पठार में स्थित झील ठिसो सिकरू विश्व की सबसे ऊँची झील है।
- * पेरू व बोलीविया की सीमा पर स्थित टिटिकाका झील विश्व की सबसे ऊँची नौकागम्य झील है।
- * भारत की सबसे ऊँची झील देवताल है जो गढ़वाल हिमालय पर 17,745 फीट की ऊँचाई पर स्थित है।
- * मृतसागर संसार की सबसे नीची झील है, इसकी तली सागर तल से 2500 फीट नीचे है।
- * तुर्की के वॉन झील में सर्वाधिक लवणता (330‰) पायी जाती है। इसके बाद जॉर्डन के मृत सागर (238‰) एवं सं.रा.अमेरिका के ग्रेट साल्ट लेक (220‰) का स्थान आता है।
- * कैस्पियन सागर विश्व की सबसे बड़ी झील है। यह खारे पानी की झील है। इसके उत्तरी भाग में यूराल व वोल्गा जैसी नदियाँ गिरती हैं, अतः यहाँ लवणता कम है परन्तु इसके दक्षिणी भाग में स्थित काराबुगास की खाड़ी में 140% लवणता मिलती है।
- * अरल सागर कजाकिस्तान व उज्बेकिस्तान की सीमा बनाती है। इसमें अमूदरिया व सर दरिया नदियाँ गिरती हैं।
- * विक्टोरिया झील युगांडा, तंजानिया व कॅन्या की सीमा बनाती है। न्यासा या मलावी झील तंजानिया, मलावी व मोजाम्बिक की सीमा बनाती है। टांगानिका जायरे, तंजानिया व जांबिया की सीमा बनाती है।
- * ग्रेट स्लैव, ग्रेट बीयर, रेंडियर, विनिपेग व अथावास्का झीलें कनाडा में हैं। अथावास्का झील के निकट ही यूरैनियम सिटी है। ग्रेट बीयर झील के निकट पोर्ट रेंडियम है जबकि ग्रेट स्लैव झील के तटवर्ती भाग में येलोनाइफ सिटी है।
- * उत्तरी अमेरिका के महान झील प्रदेश के अंतर्गत पाँच झीलें सुपीरियर, ह्यूरन, मिशीगन, ऑंटारियो व इरी शामिल हैं। यह अपने परिवहन व औद्योगिक महत्व के लिए विश्वविख्यात हैं। सुपीरियर, ह्यूरन, इरी व ऑंटारियो झीलें संयुक्त राज्य अमेरिका व कनाडा की सीमा बनाते हैं। मिशीगन झील सं.रा. अमेरिका में है। सुपीरियर झील मीठे पानी की विश्व की सबसे बड़ी झील है।
- * लोपनोर झील (चीन)-यहाँ पर चीन का आण्विक परीक्षण संस्थान है।

विश्व की नदियाँ

1. नील नदी : विक्टोरिया झील से निकलनेवाली यह नदी विश्व की सबसे

- लम्बी नदी है। अस्वान बांध व नासिर झील इसी पर स्थित है।
2. आमेजन : आयतन की दृष्टि से विश्व की यह सबसे बड़ी एवं लंबाई में विश्व की दूसरी सबसे लम्बी नदी है।
 3. मिसिसिपी-मिसौरी नदी : यह विश्व का सबसे बड़ा नदी-तंत्र बनाती है। यह नदी पक्षी-पाद डेल्टा (Bird Foot Delta) बनाती है।
 4. रियो-ग्रांडे : यह संयुक्त राज्य अमेरिका व मैक्सिको की सीमा बनाती है।
 5. सेंट-लॉरेंस नदी : यह विश्व का व्यस्ततम आंतरिक जल परिवहन मार्ग है। नियाग्रा जलप्रपात इसी नदी पर स्थित है।
 6. कोलोरैडो नदी : विश्वविख्यात ग्रैंड कैनियन एवं हूबर बांध इसी नदी पर स्थित है।
 7. राइन : यह यह यूरोप का सबसे व्यस्ततम आंतरिक जल परिवहन मार्ग है। इसे कोयला नदी (Coal River) भी कहा जाता है। यूरोप का व्यस्ततम बंदरगाह रॉटरडम इसी पर स्थित है।
 8. डेन्यूब नदी : जर्मनी के ब्लैक फॉरेस्ट पर्वत से निकलने वाली यह नदी यूरोपीय देशों के राजधानियों बेलग्रेड (यूगोस्लाविया), ब्राटिस्लावा (स्लोव्हाकिया), बुखारेस्ट (रोमानिया), बुडापेस्ट (हंगरी) व वियना (ऑस्ट्रिया) से गुजरते हुए काला सागर में गिरती है।
 9. वोल्गा नदी : वल्दाई पहाड़ी से निकलनेवाली यह नदी कैस्पियन सागर में गिरती है। यह यूरोप की सबसे लम्बी नदी है।
 10. नाइजर नदी : गिनी की खाड़ी में गिरनेवाली यह नदी तेल नदी (Oil river) नाम से भी विख्यात है।
 11. जाम्बेजी नदी : विक्टोरिया जल-प्रपात व करीबा बांध इसी पर स्थित है।
 12. कांगो/जायरे नदी : यह नदी विषुवत रेखा को दो बार काटते हुए पार करती है। स्टेनले व लिविंगस्टोन जलप्रपात इसी पर स्थित है।
 13. लिम्पोपो नदी : द. अफ्रीका के हाई वेल्ड से निकलने वाली यह नदी मकर रेखा को दो बार काटती है।
 14. माही नदी : भारत की यह नदी कर्क रेखा को दो बार काटती है।
 15. अमूर नदी : यह नदी चीन व रूस की सीमा बनाती है।
 16. मेकांग नदी : यह दक्षिण-पूर्व एशिया की सबसे लम्बी नदी है।
 17. मर्-डार्लिंग नदी : यह कोशियुस्को पर्वत से निकलती है एवं आस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी नदी है।

महासागरीय धाराएं

नाम	प्रकृति
1. उत्तरी विषुवतरेखीय जलधारा	उष्ण अथवा गर्म
2. क्यूरेशिवो जलधारा (जापान की कालीधारा)	गर्म
3. उत्तरी प्रशांत प्रवाह	गर्म
4. अलास्का की धारा	गर्म
5. सुशिमा (जेनीपड) धारा	गर्म
6. क्युराइल जलधारा (आयोशिवो धारा)	ठंडी
7. कैलीफोर्निया धारा	ठंडी
8. दक्षिणी विषुवतरेखीय जलधारा	गर्म
9. पूर्वी आस्ट्रेलिया धारा (न्यूसाउथवेल्स धारा)	गर्म
10. हम्बोल्ट अथवा पेरुवियन धारा	ठंडी
11. अंटार्कटिका प्रवाह	ठंडी
12. प्रति विषुवतरेखीय जलधारा	गर्म
13. एलनिनो धारा	गर्म
14. ओखोटस्क धारा	ठंडी

स्थानीय पवनें : ये पवनें तापमान तथा वायुदाब के स्थानीय अंतर से चला करती हैं और बहुत छोटे क्षेत्र को प्रभावित करती हैं। जहाँ गर्म स्थानीय पवन किसी प्रदेश विशेष के तापमान में वृद्धि लाती हैं वहीं ठंडी स्थानीय पवन कभी-कभी तापमान को हिमांक से भी नीचे कर देती हैं। ये स्थानीय पवनें क्षोभमंडल की निचली परतों तक ही सीमित रहती हैं। कुछ प्रमुख स्थानीय पवनें इस प्रकार हैं-

i) शिनूक (Chinook) : इसका अर्थ होता है हिमभक्षी जो रेड इंडियनों की भाषा से गृहीत शब्द है। यह रॉकी पर्वत के पूर्वी ढालों के सहारे चलनेवाली गर्म तथा शुष्क हवा है जो दक्षिण में कोलोरैडो के दक्षिणी भाग से लेकर उत्तर में कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया तक प्रवाहित होती है। इसके प्रभाव से बर्फ पिघल जाती है एवं शीतकाल में भी हरी भरी घास उग आती है। यह पशुपालकों के लिए लाभदायक है क्योंकि इससे चारागाह बर्फमुक्त हो जाता है।

ii) फोन (Foehn) : यह शिनूक के समान ही आल्प्स पर्वत के उत्तरी ढाल के सहारे उतरने वाली गर्म व शुष्क हवा है। इसका सर्वाधिक प्रभाव स्विट्जरलैण्ड में होता है। इसके आने से बर्फ पिघल जाती है, मौसम सुहावना हो जाता है और अंगूर की फसल शीघ्र पक जाती है।

iii) सिरॉको (Sirocco) : यह गर्म, शुष्क तथा रेत से भरी हवा है जो सहारा के रेगिस्तानी भाग से उत्तर की ओर भूमध्यसागर होकर इटली और स्पेन में प्रविष्ट होती है। यहां इनसे होने वाली वर्षा को रक्त वर्षा (Blood Rain) के नाम से जाना जाता है, क्योंकि यह अपने साथ सहारा क्षेत्र के लाल रेत को भी लाता है। इनका वनस्पतियों, कृषि व फलों के बागों पर विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। मिन्न, लीबिया, ट्यूनीशिया में सिरॉको का स्थानीय नाम क्रमशः खमसिन, गिबली, चिली, है। स्पेन तथा कनारी व मेडिरा द्वीपों में सिरॉको का स्थानीय नाम क्रमशः लेवेश व लेस्ट है।

ब्लैक रोलर : ये उत्तरी अमेरिका के विशाल मैदानों में चलनेवाली गर्म एवं धूलभरी शुष्क हवाएँ हैं।

योमा : यह जापान में सेंटाएना के समान ही चलनेवाली गर्म व शुष्क हवा है। टेम्पोरल : यह मध्य अमेरिका में चलनेवाली मानसूनी हवा है।

सिमूम : अरब के रेगिस्तान में चलनेवाली गर्म व शुष्क हवा जिससे रेत की आंधी आती है व दृश्यता समाप्त हो जाती है।

सामुन : यह ईरान व ईराक के कुर्दिस्तान में चलने वाली स्थानीय हवा है जो फोन के समान विशेषताएँ रखती है।

शामल : यह इराक, ईरान और अरब के मरूस्थलीय क्षेत्र में चलने वाली गर्म, शुष्क व रेतीली पवनें हैं।

सीस्टन : यह पूर्वी ईरान में ग्रीष्मकाल में प्रवाहित होने वाली तीव्र उत्तरी पवन है।

हबूब : उत्तरी सूडान में मुख्यतः खारतूम के समीप चलनेवाली यह धूलभरी आंधियाँ हैं जिनसे दृश्यता कम हो जाती है और कभी-कभी तड़ित झंझा (Thunder storm) सहित भारी वर्षा होती है।

काराबुरान : यह मध्य एशिया के तारिम बेसिन में उत्तर पूर्व की ओर प्रवाहित होनेवाली धूल भरी आंधियाँ हैं।

कोइम्बैंग - फोन के समान जावा द्वीप (इंडोनेशिया) में चलने वाली पवनें हैं जो तंबाकू आदि फसलों को नुकसान पहुँचाती हैं।

हरमट्टन : सहारा रेगिस्तान में उ.पू. तथा पूर्वी दिशा से पश्चिमी दिशा में चलने वाली यह गर्म तथा शुष्क हवा है जो अफ्रीका के पश्चिमी तट की उष्ण व आर्द्र हवा में शुष्कता लाता है जिससे मौसम सुहावना व स्वास्थ्यप्रद हो जाता है। इसी कारण गिनी तट पर इसे 'डॉक्टर' हवा कहा जाता है।

ब्रिकफिल्डर : आस्ट्रेलिया के विक्टोरिया प्रांत में चलनेवाली यह उष्ण व

शुष्क हवा है।

नार्वेस्टर : यह उ. न्यूजीलैंड में चलनेवाली गर्म व शुष्क हवा है।

लू : यह उ. भारत में गर्मियों में उत्तर पश्चिम तथा पश्चिम से पूर्व दिशा में चलनेवाली प्रचंड व शुष्क हवा है जिसे वस्तुतः तापलहरी भी कहा जाता है।

सेंटाएना : यह कैलिफोर्निया में चलने वाली गर्म व शुष्क हवा है।

जोन्डा : ये अर्जेन्टिना और यूरुग्वे में एंडीज से मैदानी भागों की ओर चलने वाली कोष्ण शुष्क पवनें हैं। इसे शीत फोन भी कहा जाता है।

मिस्ट्रल - यह ठंडी ध्रुवीय हवाएँ हैं जो रोम नदी की घाटी से होकर चलती है एवं रूमसागर (भूमध्य सागर) के उ.प. भाग विशेषकर स्पेन व फ्रांस को प्रभावित करती है। इसके आने से तापमान हिमांक के नीचे गिर जाता है।

बोरा : मिस्ट्रल के समान ही यह भी एक शुष्क व अत्यधिक ठंडी हवा है एवं एड्रियाटिक सागर के पूर्वी किनारों पर चलती है। इससे मुख्यतः इटली व यूगोस्लाविया प्रभावित होते हैं।

ब्लिजर्ड या हिम झंझावात : ये बर्फ के कणों से युक्त ध्रुवीय हवाएँ हैं। इससे साइबेरियाई क्षेत्र, कनाडा, सं.रा.अमेरिका प्रभावित होता है। इनके आगमन से तापमान हिमांक से नीचे गिर जाता है। रूस के टुंड्रा प्रदेश एवं साइबेरिया क्षेत्र में ब्लिजर्ड का स्थानीय नाम क्रमशः पुरगा व बुरान है।

नार्टे : ये सं.रा.अमेरिका में शीत ऋतु में प्रवाहित होने वाली ध्रुवीय पवनें हैं। दक्षिणी सं.रा.अमेरिका में शीत ऋतु में प्रवाहित होने वाली ध्रुवीय पवनों को नार्दर्न या नार्दर्न पवनें कहा जाता है।

पैपेरो : ये अर्जेन्टिना, चिली व युरुग्वे में बहने वाली तीव्र ठंडी ध्रुवीय हवाएँ हैं।

ग्रेगाले : ये द. यूरोप के भूमध्यसागरीय क्षेत्रों के मध्यवर्ती भाग में बहने वाली शीतकालीन पवनें हैं।

जूरन : ये जूरा पर्वत (स्विटजरलैंड) से जेनेवा झील (इटली) तक रात्रि के समय चलनेवाली शीतल व शुष्क पवनें हैं।

मैस्ट्रो : ये भूमध्यसागरीय क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग में चलनेवाली उत्तर पश्चिमी पवनें हैं।

पुना : यह एंडीज क्षेत्र में चलनेवाली ठंडी पवन है।

पापागायो : यह मैक्सिको के तट पर चलनेवाली तीव्र शुष्क और शीतल उ. पू. पवनें हैं।

पोनन्त : ये भूमध्यसागरीय क्षेत्र में विशेषकर कोर्सिका तट एवं भूमध्यसागरीय फ्रांस में चलनेवाली ठंडी पश्चिमी हवाएँ हैं।

विरासेन : ये पेरू तथा चिली के पश्चिमी तट पर चलने वाली समुद्री पवनें हैं।

दक्षिणी बर्स्टर : ये न्यू साउथ वेल्स (आस्ट्रेलिया) में चलने वाली तेज व शुष्क ठंडी पवनें हैं।

बाईज : यह फ्रांस में प्रभावी रहने वाली अत्यंत ठंडी व शुष्क पवन है।

लेवांटर : यह दक्षिणी स्पेन में प्रभावी रहने वाली अत्यंत शक्तिशाली पूर्वी ठंडी पवनें हैं।

जेट-स्ट्रीम

ये क्षोभसीमा (Tropopause) के निकट चलने वाले अत्यधिक तीव्र गति की क्षैतिज पवनें हैं। जेट वायुधाराएँ लगभग 150 किमी. चौड़ी एवं 2 से 3 किमी. मोटी एक संक्रमण पटी में सक्रिय रहती है। सामान्यतः इनकी गति 150 से 200 किमीप्रति घंटा रहती है, परंतु क्रोड (ब्वतम) पर इनकी गति 325 किमी. प्रति घंटा तक भी मिली है। जेट वायुधाराएँ सामान्यतः

उत्तरी गोलार्द्ध में ही मिलती है। दक्षिणी गोलार्द्ध में सिर्फ दक्षिणी ध्रुवों पर मिलती हैं, यद्यपि हल्के रूप में रॉस्बी तरंग (Rossby Waves) के रूप में ये अन्य अक्षांशों के ऊपर भी मिलती हैं। इन जेट धाराओं की उत्पत्ति का मुख्य

कारण पृथ्वी की सतह पर तापमान में अंतर व उससे उत्पन्न वायुदाब प्रवणता (Pressure Gradient) है। जेट वायुधाराएँ चार प्रकार की होती हैं।

1. ध्रुवीय रात्रि जेट स्ट्रीम (Polar Night Jet Stream) : यह उत्तरी व दक्षिणी दोनों गोलार्द्धों में 600 से ऊपरी अक्षांशों में मिलती हैं।

2. ध्रुवीय वाताग्री जेट स्ट्रीम : यह 300 से 700 उत्तरी अक्षांशों के मध्य 9 से 12 किमी. की ऊँचाई पर मिलती है। इनका संबंध ध्रुवीय वाताग्री से है एवं ये तरंग युक्त असंगत पथ का अनुसरण करते हैं। इस जेट स्ट्रीम की गति 150 से 300 प्रति घंटा एवं वायुदाब 200 से 300 मिलीबार होता है। चूँकि इस जेट स्ट्रीम के बारे में स्वीडिश वैज्ञानिक रॉस्बी ने बतलाया था अतः इन्हें रॉस्बी तरंग भी कहते हैं।

विश्व की प्रमुख फसलें एवं उनके उत्पादक देश

फसलें	उत्पादक देश
1. चावल	चीन, भारत, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, वियतनाम, थाईलैंड
2. गेहूँ	चीन, भारत, सं.रा. अमेरिका, पूर्व सोवियत संघ, फ्रांस, कनाडा
3. जौ (Barley)	रूस, जर्मनी, कनाडा
4. जई या ओट	रूस, कनाडा एवं सं.रा. अमेरिका
5. मक्का	सं.रा.अमेरिका, चीन, ब्राजील, मैक्सिको
6. तिलहन	सं.रा. अमेरिका, चीन, भारत
7. सोयाबीन	सं.रा. अमेरिका, ब्राजील, चीन
8. गन्ना	भारत, ब्राजील, क्यूबा, चीन
9. चुकन्दर	यूक्रेन, फ्रांस, जर्मनी, सं.रा.अमेरिका
10.चाय	भारत, चीन, श्रीलंका
11.कहवा	ब्राजील, वियतनाम, कोलम्बिया, इंडोनेशिया, मैक्सिको
12.कपास	चीन, सं.रा.अमेरिका, पूर्व सोवियत संघ, भारत पाकिस्तान
13.तम्बाकू	चीन, सं.रा. अमेरिका, भारत, ब्राजील, पूर्व सोवियत संघ
14.प्राकृतिक रबड़	थाईलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया, भारत, चीन

विश्व में स्थानांतरणशील कृषि

नाम	क्षेत्र
रे	वियतनाम तथा लाओस
टावी	मालागासी
मसोले	कांगो (जैरे नदी घाटी क्षेत्र)
फ्रैंग	भूमध्यरेखीय अफ्रीकी देश
लोगन	पश्चिमी अफ्रीका
कोनूल/कोमिले	मैक्सिको
मिल्पा	यूकाटन एवं ग्वाटेमाला
इचाली	ग्वाडेलूप
मिल्पा	मैक्सिको एवं मध्य अमेरिकी देश
कोनूको	वेनेजुएला
रोका	ब्राजील
चेतेमिनी	युगांडा, जाम्बिया तथा जिम्बाब्वे

कैंगिन	फिलीपींस	खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान	वाशिंगटन डी.सी.(यू.एस.ए)
तुंग्या	म्यांमार (बर्मा)	अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान मनीला(फिलीपींस)	
चेन्ना	श्रीलंका	उष्ण कटिबंधीय कृषि संस्थान लागोस	(नाइजीरिया)
लेदांग	जावा तथा मलेशिया	वनस्पतियों का वर्गीकरण	
तमराई	थाईलैंड	ट्रोपोफाइट (Tropophyte)	उष्ण कटिबंधीय क्षेत्र में वन तथा घास वाली वनस्पतियाँ।
हुमा	जावा तथा इंडोनेशिया	हाइड्रोफाइट (Hydrophyte)	जल की ऊपरी सतह पर उगने वाली वनस्पतियाँ।

भारत के विभिन्न भागों में स्थानान्तरित कृषि को अलग-अलग निम्नलिखित नामों से जाना जाता है:-

झूम	उत्तरी-पूर्वी भारत
वेवार तथा डहियार	बुन्देलखंड सम्भाग (मध्य प्रदेश)
दीपा	बस्तर जिला (छत्तीसगढ़)
जारा तथा एरका	दक्षिण भारतीय राज्य
बत्रा	दक्षिणी-पूर्वी राजस्थान
पोडू	आन्ध्रप्रदेश
कुमारी	केरल में पश्चिमी घाट के पर्वतीय क्षेत्र
कमान, विंगा तथा धावी	उड़ीसा

विश्व में कृषि के विशेष प्रकार

विश्व की वर्तमान कृषि व्यवस्था में बड़े पैमाने की विभिन्न कृषि पद्धतियों के अतिरिक्त कुछ विशेष कृषि प्रकार भी प्रचलित हैं, जो इस प्रकार हैं-

1. विटीकल्चर - अंगूरों की व्यापारिक स्तर पर उत्पादन।
2. पीसीकल्चर अथवा एक्वाकल्चर - व्यापारिक स्तर पर की जाने वाली मछली पालन की क्रिया।
3. सेरीकल्चर - रेशम उत्पादन की क्रिया जिसमें शहतूत आदि की कृषि भी सम्मिलित हैं।
4. हॉर्टीकल्चर - व्यापारिक स्तर पर किया जाने वाला विभिन्न प्रकार के फलों का उत्पादन।
5. ओलिवीकल्चर - व्यापारिक स्तर पर की जाने वाली जैतून की कृषि।
6. आरबरीकल्चर - विशेष प्रकार के वृक्षों तथा झाड़ियों की कृषि जिसमें उनका संरक्षण व संवर्द्धन भी शामिल हैं।
7. एपीकल्चर - व्यापारिक स्तर पर शहद उत्पादन हेतु मधुमक्खी (मोंन) पालन।
8. फ्लोरीकल्चर - व्यापारिक स्तर पर की जानेवाली फूलों की कृषि।
9. सिल्वीकल्चर - वनों के संरक्षण एवं संवर्द्धन से संबंधित क्रिया।
10. वेजीकल्चर - दक्षिणी-पूर्वी एशिया में आदि मानव द्वारा की गई प्रारंभिक आदिम कृषि।
11. नेमरीकल्चर - आदिम व्यवस्था की कृषि जिसमें वनों से फल-फूल व कंद-मूल संग्रह किया जाता है।
12. ओलेरीकल्चर - जमीन पर फैलनेवाली सब्जियों की व्यापारिक कृषि।
13. मेरीकल्चर - व्यापारिक उद्देश्य से समुद्री जीवों के उत्पादन की क्रिया।
14. हॉर्सीकल्चर - व्यापारिक स्तर पर उन्नत प्रजाति के घोड़ों व खच्चरों का पालन।
15. वर्मीकल्चर - कृषि उत्पादन में वृद्धि हेतु केंचुआ पालन।
16. मोरीकल्चर - रेशम कीट हेतु शहतूत की कृषि।
17. एरीपोनिक - पौधों को हवा में उगाना।
18. पोमोलॉजी - फल विज्ञान।

कृषि संबंधी महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संस्थान

खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO)	रोम (इटली)
विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO)	जेनेवा (स्विट्जरलैंड)

खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान	वाशिंगटन डी.सी.(यू.एस.ए)
अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान मनीला(फिलीपींस)	
उष्ण कटिबंधीय कृषि संस्थान लागोस	(नाइजीरिया)

वनस्पतियों का वर्गीकरण

ट्रोपोफाइट (Tropophyte)	उष्ण कटिबंधीय क्षेत्र में वन तथा घास वाली वनस्पतियाँ।
हाइड्रोफाइट (Hydrophyte)	जल की ऊपरी सतह पर उगने वाली वनस्पतियाँ।
हाइग्रोफाइट (Hygrophyte)	अधिक आर्द्रता वाले क्षेत्रों में पायी जाने वाली वनस्पतियाँ।
जेरोफाइट (Xerophyte)	उष्ण कटिबंधीय मरुस्थल क्षेत्रों में पायी जाने वाली वनस्पतियाँ।
मेसोफाइट (Mesophyte)	शीतोष्ण कटिबंधीय टैगा वनस्पतियाँ।
क्रायोफाइट (Cryophyte)	शीत कटिबंधीय टुंड्रा वनस्पतियाँ, यथा लाइकेन, कार्ई।
हैलोफाइट (Halophyte)	नमकीन मिट्टी की वनस्पतियाँ, जैसे-मैंग्रोव।
लिथोफाइट (Lithophyte)	कठोर चट्टानों पर उगनेवाली वनस्पतियाँ।
पायरोफाइट (Pyrophyte)	अग्नि प्रतिरोधी वनस्पतियाँ (सवाना क्षेत्र)

विभिन्न क्रांतियाँ एवं संबंधित क्षेत्र

हरित क्रांति (Green Revolution)	कृषि उत्पादन
श्वेत क्रांति (White Revolution)	दुग्ध उत्पादन
नीली क्रांति (Blue Revolution)	मत्स्य उत्पादन
गुलाबी क्रांति (Pink Revolution)	झींगा मछली उत्पादन
पीली क्रांति (Yellow Revolution)	सूर्यमुखी व अन्य तिलहनों का उत्पादन
लाल क्रांति (Red Revolution)	मांस/टमाटर उत्पादन
गोल क्रांति (Round Revolution)	आलू उत्पादन
रजत क्रांति (Silver Revolution)	अंडा उत्पादन
सुनहरी (स्वर्ण) क्रांति (Golden Revolution)	फल उत्पादन (बागवानी)
इंद्रधनुषी क्रांति (Rainbow Revolution)	कृषि संबंधी समग्र क्रांति (नवीन कृषि नीति में निर्धारित)
भूरी क्रांति (Brown Revolution)	गैर परंपरागत ऊर्जा उत्पादन
कृष्ण क्रांति (Black Revolution)	खनिज तेल के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हेतु
अमृत क्रांति	नदियों को जोड़ने की योजना
संपर्क क्रांति	लंबी दूरी का रेल संपर्क स्थापित करना
सदाबहार हरित क्रांति या द्वितीय हरित क्रांति	कृषि उत्पादन को दोगुना करना व टिकाऊ कृषि।

विश्व के प्रमुख खनिज संसाधन

खनिजों के प्रकार

1. धात्विक खनिज (Metallic Minerals) :

क) बहुमूल्य धातु : सोना, चाँदी तथा प्लेटिनम वर्ग की धातु; जैसे प्लैटिनम, पैलेडिम, इरिडियम, रूथेनियम, ऑस्मियम आदि।

ख) हल्की धातु : अल्यूमिनियम, टाइटेनियम, मैग्नीशियम।

- ग) साधारण धातु : ताँबा, जस्ता, टिन, सीसा, लोहा, राँगा पारा।
 घ) लोहास खनिज: लौह धातु (हेमाटाइट, मैग्नेटाइट, लिमोनाइट, सिडेराइट तथा पायराइट)।
 ङ) लौह-मिश्र धातु : क्रोमियम, कोबाल्ट, मैगनीज़, निकेल मोलिब्डेनम, टंगस्टन, वैनेडियम, फेरो-फास्फोरस (एंटैनियम, जिस्कोनियम, बोरोन आदि)।
 च) अ-लोहास धातु : कैडमियम तथा पारा।
 छ) विरल धातु : ये अणुशक्ति से संबंधित धातु हैं एवं धरातल पर काफी विरल रूप में मिलती हैं। यूरेनियम, थोरियम, लीथियम तथा वेरीलियम ऐसी ही धातु हैं।

2. अधात्विक खनिज

(Non-Metallic Minerals)

- क) शक्ति के साधन - कोयला, खनिज तेल या पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस।
 ख) खनिज उर्वरक- नाइट्रेट, फास्फेट, पोटाश, गन्धक, सल्फ्यूरिक एसिड।
 ग) रत्न या मणि- हीरा, पन्ना, नीलम, ओपल, वेरूज (एक्वामेरियन)
 घ) भू-द्रव खनिज- जिप्सम, नमक, गंधक, अभ्रक, टल्क, मृत्तिका, कंकड़, बालू एवं अन्य पत्थर।

लौह अयस्क

मुख्य अयस्क : मैग्नेटाइट (Fe₃O₄), हेमाटाइट (Fe₂O₃), लिमोनाइट, सिडेराइट, पायराइट।

प्रमुख खनन केन्द्र

पूर्व सोवियत संघ - क्रिवाँय राग (यूक्रेन), मैग्निटोगोर्स्क पर्वत तथा कुजनेत्स (रूस)

- ब्राजील - मिनास गेराइस प्रान्त की इटाबिरा पहाड़ी
 चीन - मंचुरिया, शान्तुंग, शान्सी
 सं.रा.अमेरिका - सुपीरियर झील प्रदेश (मेसाबी रेंज) व अलबामा
 आस्ट्रेलिया - पिलबरा क्षेत्र
 स्वीडन - किरूना व गैलीबरा क्षेत्र
 द. अफ्रीका - पोस्टमासबर्ग क्षेत्र, ट्रांसवाल

प्रमुख उत्पादक देश 1. चीन 2. ब्राजील 3. आस्ट्रेलिया 4. रूस 5. भारत

मैगनीज

मुख्य अयस्क - पाइरोल्युसाइट, साइलोमेलीन तथा ब्रोनाइट

प्रमुख खनन केन्द्र :

पूर्व सोवियत संघ - काला सागर क्षेत्र में निकोपोले (यूक्रेन) एवं चायतुरा

- ब्राजील - अमापा क्षेत्र
 गैबोन - माओड खान
 द. अफ्रीका - पोस्टमासबर्ग क्षेत्र, किम्बरले

प्रमुख उत्पादक देश 1. चीन 2. द. अफ्रीका 3. गैबन

ताँबा

प्रमुख खनिज : सल्फाइड (चेल्कोपाइराइट, चेल्कोसाइट, बोर्नाइट), आक्साइड (क्यूप्राइट) तथा कार्बोनेट (मैचेलाइट व एजुराइट)

प्रमुख खनन केन्द्र

- चिली - चुक्कीकमाटा पर्वत
 U.S.A. - एरिजोना प्रांत, मोंटाना प्रांत का बूटे क्षेत्र
 कनाडा - ऑंटारियो का सैडबरी जिला
 आस्ट्रेलिया - माउंट मोरगन व माउंट ईसा

जायरे - कटंगा क्षेत्र

द. अफ्रीका - ट्रांसवाल, केप प्रांत
 प्रमुख उत्पादक देश 1. चिली 2. सं. रा. अमेरिका 3. इंडोनेशिया 4. आस्ट्रेलिया

एल्युमिनियम

मुख्य अयस्क : बाक्साइट

प्रमुख खनन केन्द्र :

- आस्ट्रेलिया - केपयार्क प्रायद्वीप, वाइप क्षेत्र
 U.S.A. - अरकन्सास राज्य का सेलाइन काउंटी क्षेत्र
 जमैका - सेंट एलिजाबेथ व सेंटमैरी क्षेत्र

पूर्व सोवियत संघ - कोला प्रायद्वीप

गिनी - बोको व बरूका द्वीप

द. अफ्रीका - उ. नेटाल प्रांत

प्रमुख उत्पादक देश (बाक्साइट) 1. आस्ट्रेलिया 2. गुयाना, 3. ब्राजील 4. जमैका

सोना

प्रमुख खनन केन्द्र :

द. अफ्रीका - विटवाटसरैंड पहाड़ी में जोहान्सबर्ग, बोक्सबर्ग व ओरेंज फ्री स्टेट, किम्बरले

U.S.A. - साल्ट लेक क्षेत्र व अलास्का

आस्ट्रेलिया - माउंट मोरगन, कालगूली व कूलगार्डी

प्रमुख उत्पादक देश 1. द. अफ्रीका 2. चीन 3. सं.रा. अमेरिका 4. आस्ट्रेलिया

चाँदी

मुख्य अयस्क : अर्जेन्टाइट

प्रमुख खनन केन्द्र :

मैक्सिको - चिहुआहुआ, हिल्डाहो
 कनाडा - ऑंटारियो, ब्रिटिश कोलंबिया, क्यूबेक

यू.एस.ए. - यूटाह, मोंटाना, एरीजोना, कोलोराडो

आस्ट्रेलिया - माउंट ईसा, कालगूली, ब्रोकेन हिल,

बोलीविया - पोटोसी

द. अफ्रीका - ट्रांसवाल व नेटाल प्रांत

प्रमुख उत्पादक देश 1. मैक्सिको 2. पेरू 3. सं.रा. अमेरिका 4. आस्ट्रेलिया

आस्ट्रेलिया

टिन

मुख्य अयस्क - कैसेटेराइट

प्रमुख खनन केन्द्र :

मलेशिया - सेलांगोर, पेनांग द्वीप, जेलुबु घाटी

इंडोनेशिया - बंका, मलक्का जलसंधि

चीन - युन्नान, हुन्नान प्रान्त

म्यांमार - शान पठार, काथिन्नी पठार

प्रमुख उत्पादक देश 1. चीन, 2. इंडोनेशिया 3. पेरू सीसा

मुख्य अयस्क : गैलेना

प्रमुख खनन केन्द्र :

आस्ट्रेलिया - ब्रोकेन हिल, माउंट ईसा (क्वीन्सलैंड)

कनाडा - सैडबरी

पेरू - सेरो-द-पास्को

प्रमुख उत्पादक देश 1. आस्ट्रेलिया 2. चीन 3. सं. रा. अमेरिका

जस्ता

मुख्य अयस्क : कैलेमीन
 आस्ट्रेलिया - ब्रोकेन हिल व माउंट ईसा
 कनाडा - ब्रिटिश कोलम्बिया
 प्रमुख उत्पादक देश 1. चीन 2. आस्ट्रेलिया 3. कनाडा

हीरा
 द. अफ्रीका - किम्बरले, जोहांसबर्ग, केपटाउन
 जायरे - कटंगा पठार
 भारत - पन्ना व गोलकुंडा की खाने
 प्रमुख उत्पादक देश 1. आस्ट्रेलिया 2. कांगो रिपब्लिक 3. बोत्सवाना कोयला
 किस्में : एन्थ्रासाइट, बिटुमिनस, लिग्नाइट, केनल व पीट
 प्रमुख खनन केन्द्र :
 सं.रा.अमेरिका - अप्लेशियन कोयला क्षेत्र
 पूर्व सोवियत संघ - डोनेट्ज बेसिन (यूक्रेन), कुजनेटस्क बेसिन, कारागंडा
 चीन - शांसी, शेन्सी, जेचवान
 आस्ट्रेलिया - न्यू साउथ वेल्स, क्वीन्सलैंड व विक्टोरिया प्रान्त
 जर्मनी - रूर बेसिन व वेस्टफेलिया
 द. अफ्रीका - ट्रांसवाल व नेटाल प्रांत
 प्रमुख उत्पादक देश :
 1. चीन 2. सं. रा. अमेरिका 3. भारत

पेट्रोलियम

प्रमुख खनन केन्द्र :
 सं.रा.अमेरिका - अप्लेशियन क्षेत्र, गल्फ तटीय क्षेत्र, कैलिफोर्निया
 सऊदी अरब - दम्माम, घावर व धाहरान (तेलशोधक केन्द्र रासनतुरा)
 कुवैत - बुरघान पहाड़ी (विश्व का वृहत्तम संचित भंडार)
 ईरान - लाली, करमशाह, नफ्त सफिद, हफ्तकेल, गच सारन (इन क्षेत्रों के तेल का शोधन अबादान की रिफाइनरी में होता है जो विश्व की सबसे बड़ी तेलशोधन शालाओं में से एक है।)
 पूर्व सोवियत संघ - वोल्गा-यूराल क्षेत्र, बाकू क्षेत्र (काकेशस क्षेत्र)
 इराक - किरकुक, मोसल, बसरा, तिकरित
 वेनेजुएला - मरेकैबो झील प्रदेश, ओरिनिको बेसिन व अपूरे बेसिन
 प्रमुख उत्पादक देश :
 1. सऊदी अरब 2. रूस 3. सं.रा. अमेरिका 4. इरान

प्राकृतिक गैस

प्राकृतिक गैस प्रायः उन्हीं स्थानों पर मिलते हैं जहाँ से खनिज तेल मिलता है। इसके अलावा यह कुछ मात्रा में स्वतंत्र रूप से भी पाए जाते हैं। विश्व में स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रकुल (सी.आई.एस.) के पास प्राकृतिक गैस का सबसे बड़ा संचित भंडार है।

प्रमुख उत्पादक देश 1. रूस 2. सं. रा. अमेरिका 3. कनाडा

परमाणु खनिज

मुख्य स्रोत : यूरेनियम तथा थोरियम
 मुख्य खनन केन्द्र :
 कनाडा - अथावस्का झील तथा ग्रेट बियर झील के पास
 क्रमशः यूरेनियम सिटी तथा पोर्ट रेडियम
 सं.रा.अमेरिका - कोलोरैडो का पठार

द. अफ्रीका - विटवाट्सरैंड पहाड़ी
 जायरे - कटंगा पठार
 प्रमुख उत्पादक देश
 1. आस्ट्रेलिया 2. कनाडा 3. सं. रा. अमेरिका 4. जायरे

जलविद्युत

उत्पादक देश :
 सं.रा.अमेरिका, कनाडा, यूरोपीय देश, अफ्रीकी देश
 मुख्य उत्पादक क्षेत्र :
 सं.रा.अमेरिका - नियाग्रा प्रपात, सेंट एन्थोनी प्रपात, अप्लेशियन पर्वत में पेंसिलवानिया से लेकर अलबामा तक प्रपात रेखा, टेनेसी घाटी प्रोजेक्ट, ग्रैंड क्यूली बांध व बोनविले बांध (कोलंबिया नदी), हूबर बांध (कोलोरेडो नदी) तथा सान जोआक्विन बांध (कैलीफोर्निया)।
 कनाडा - नियाग्रा प्रपात
 अफ्रीका - वोल्टा नदी पर ओकोसोंबो बांध (घाना), सेनार बांध (सूडान), नील नदी पर अस्वान बांध (मिस्र), करीबा बांध (जाम्बेजी नदी), ओवेन प्रपात (युगांडा)

महिला मुख्यमंत्री

क्र.	नाम	राज्य
1.	सुचेता कृपलानी	उत्तर प्रदेश
2.	नंदिनी सत्यथी	उड़ीसा
3.	शशिकला काकोदर	गोवा
4.	सईदा अनवर ताईमुर	असम
5.	जानकी रामचंद्रन	तमिलनाडु
6.	जे. जयललिता	तमिलनाडु
7.	मायावती (वर्तमान)	उत्तर प्रदेश
8.	राजिंदर कौर भट्टल	पंजाब
9.	राबड़ी देवी	बिहार
10.	सुषमा स्वराज	दिल्ली
11.	शीला दीक्षित (वर्तमान)	दिल्ली
12.	सुश्री उमा भारती	मध्य प्रदेश
13.	वसुंधरा राजे	राजस्थान

महिला राज्यपाल

क्र.	नाम	राज्य
1.	सरोजिनी नायडू	उत्तर प्रदेश
2.	पद्मन नायडू	पश्चिम बंगाल
3.	विजय लक्ष्मी पण्डित	महाराष्ट्र
4.	शारदा मुखर्जी	आंध्र प्रदेश
5.	ज्योति वैकटाचलम	केरल
6.	कुमुदबेन जोशी	आन्ध्र प्रदेश
7.	राम दुलारी सिन्हा	केरल
8.	सरला ग्रेवाल	मध्य प्रदेश
9.	चंद्रावती	पाण्डिचेरी
10.	राजेन्द्र कुमारी वाजपेयी	पाण्डिचेरी
11.	शीला कौल	हिमाचल प्रदेश
12.	एम. फातिमा बीबी	तमिलनाडु
13.	बी. एस. रमा देवी	हिमाचल प्रदेश

14. रजनी राय पाण्डिचेरी
15. प्रतिभा पाटिल राजस्थान

महिला वर्ग को सेना में स्थायी कमीशन का निर्णय : 12 मार्च, 2010 को दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने महत्वपूर्ण निर्णय में कहा कि सेना में भी महिलाओं को स्थायी कमीशन दिया जाना चाहिए। लिंग के आधार पर उनके साथ भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।

(1) अनुच्छेद - 15 : धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर विभेद का प्रतिषेध किया गया है।

(2) **भारत में विभिन्न क्षेत्रों में प्रथम रही इन महिलाओं के बारे में जानकारी**

- प्रथम महिला पायलट : फ्लाईंग आफिसर सुषमा मुखोपाध्याय
 - पुलिस महानिदेशक : कंचन चौधरी भट्टाचार्य
 - प्रथम महिला राजदूत : विजय लक्ष्मी पंडित
 - ओलम्पिक खेलों में पदक जीतने वाली: कर्णम मल्लेश्वरी (भारोत्तोलन, सिडनी)
 - प्रथम महिला विदेश सचिव : चोकिला अय्यर
 - कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष : एनी बेसेंट
 - प्रथम महिला राज्यपाल : सरोजनी नायडू (उत्तर प्रदेश)
 - प्रथम महिला आईपीएस : किरण बेदी
 - प्रथम महिला आईएएस : अन्ना जार्ज
- (3) भारतीय नौसेना के मेरिटाइम पेट्रोल एयर क्रॉफ्ट की प्रथम महिला आब्जर्वर - रानी शर्मा, अम्बिका हुड्डा

महारत्न का दर्जा

जानकारी: सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों को मिनी नवरत्न एवं नवरत्न के बाद महारत्न का दर्जा दिये जाने का फैसला केन्द्र सरकार ने दिसम्बर, 2009 में लिया है।

शर्तें: किसी सार्वजनिक उपक्रम को महारत्न का दर्जा तभी प्राप्त होगा, यदि वह निम्नलिखित शर्तों को पूरा करती हो-

1. कम्पनी के पास नवरत्न का दर्जा प्राप्त हो।
2. कम्पनी का विदेश में भी व्यापार हो।
3. कम्पनी शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो।
4. गत तीन वर्षों में कम्पनी का औसत कारोबार 25000 करोड़ रुपये रहा हो एवं इस दौरान कम्पनी ने 5000 करोड़ रुपये का औसत शुद्ध लाभ अर्जित किया हो।
5. तीन वर्षों में कम्पनी का नेटवर्थ भी औसतन 15000 करोड़ रुपये रहा हो। उपर्युक्त मानकों को तीन सार्वजनिक कम्पनियाँ पूरा कर रही हैं, जिन्हें महारत्न का दर्जा प्राप्त हो सकता है- ओएनजीसी (ONGC), SAIL तथा एनटीपीसी (NTPC) शामिल है। अतः इन तीन कम्पनियों को महारत्न का दर्जा मिल जाने से भविष्य में नवरत्न वर्ग की कम्पनियों की संख्या 18 से घटकर 15 हो सकती है।

* नवरत्न का दर्जा प्राप्त यह कम्पनियाँ इस प्रकार हैं-

नवरत्न कम्पनियाँ

1. भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि. (BHEL)
2. भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि. (BPCL)
3. हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि. (HPCL)
4. भारतीय तेल निगम (IOC)

5. महानगर टेलीफोन निगम लि. (MTNL)
6. तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ONGC)
7. राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (NTPC)
8. भारतीय इस्पात प्राधिकरण (SAIL)
9. भारतीय गैस प्राधिकरण लि. (GAIL)
10. हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. (HAL)
11. पॉवर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि.
12. राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (NMDC)
13. ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लि. (PFC)
14. नेशनल एल्यूमिनियम कम्पनी (NALCO)
15. पॉवर फाइनेंस कॉर्पोरेशन
16. भारतीय नौवहन निगम (SCI)
17. कोल इंडिया लि. (CIL)
18. भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि. (BEL)

श्री रेणुका शुगर्स द्वारा अधिग्रहण

जानकारी: फरवरी, 2010 में श्री रेणुका शुगर्स ने एक ब्राजीली चीनी कम्पनी (Equipav SA Acucar Alcool) का अधिग्रहण लगभग 1.2 अरब डॉलर (51% हिस्सेदारी) में किया है।

इससे पहले भी नवम्बर, 2009 में श्री रेणुका शुगर्स ने एक ब्राजीली कम्पनी का अधिग्रहण किया है।

पेरॉट सिस्टम्स

जानकारी: पेरॉट सिस्टम्स कम्प्यूटर सेवा फर्म है जिसका विश्व की दूसरी बड़ी पर्सनल कम्प्यूटर कम्पनी डेल इंक ने अधिग्रहण किया है। 3.9 अरब डॉलर के लिए अधिग्रहण का यह समझौता 21 सितम्बर, 2009 को किया है।

प्रमुख अधिग्रहण

क्रम अधिग्रहण करने वाली कम्पनी **अधिग्रहित कम्पनी** **अन्य जानकारी**

1. टाटा जगुआर भारतीय कार निर्माता टाटा मोटर्स ने दुनिया में महंगी कारों के साठ साल पुराने ब्रांड जगुआर और लैंड रोवर (ब्रिटेन) खरीदकर भारतीय उद्यमिता को एक नए दौर में पहुँचा दिया है। इसके लिए टाटा कम्पनी ने फोर्ड के साथ सौदे पर हस्ताक्षर किए। इस सौदे से टाटा अंतरराष्ट्रीय ऑटोमोबाइल क्षेत्र में अपनी धाक जमाने में सफल होगा।
2. सुभिक्षा बल्यूग्रीन जून, 2008 में रिटेल शृंखला संचालित करने वाली कम्पनी सुभिक्षा ने एक छोटी गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनी (NBFC) बल्यू ग्रीन का अधिग्रहण किया।
2. आइडिया स्पाइस आदित्य बिडला समूह की दूरसंचार कंपनी आइडिया सेल्युलर कंपनी आइडिया सेल्युलर ने "स्पाइस" का अधिग्रहण करने के लिए समझौता जून, 2008 में किया है।
4. बनेट कोलमेन एण्ड कम्पनी वर्जिन रेडियो वर्जिन रेडियो ब्रिटेन की है। यह अधिग्रहण (टाइम्सऑफ इण्डिया समूह) मई, 2008 में हुआ है।
5. रिलायंस अनुपम ग्लोबल युगांडा की इस कम्पनी का अधिग्रहण रिलायंस कम्प्यूनिंकेशंस

सॉफ्ट (युगांडा) कम्यूनिकेशंस ने फरवरी, 2008 में किया है।

कोड-10 क्या है: यह कॉलगेट पॉमेलिव का प्रसिद्ध हेयर स्टाइलिंग ब्रांड है जिसे मैरिको ग्रुप की मलेशियाई इकाई ने खरीद लिया है।

भारत की पंचवर्षीय योजनाएं

पंचवर्षीय योजना	कार्यकाल	प्राथमिकता प्राप्त की गई	वृद्धि दर
पहली	1951-56	कृषि	
क्षेत्र माडल		3.7%	
दूसरी	1956-61	भारी उद्योग	4.2%
तीसरी	1961-66	आत्म निर्भरता एवं स्वतः स्फूर्तिवान अर्थव्यवस्था	2.8%
चौथी	1969-74	स्थिरता के साथ विकास	3.4%
पाँचवी	1974-79	गरीबी उन्मूलन तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता	5.0%
छठी	1980-85	आधुनिकीकरण	5.5%
सातवीं	1985-90	विकास, आधुनिकीकरण आत्मनिर्भरता, न्याय	5.8%
आठवीं	1992-97	मानव संसाधन विकास	6.8%
नौवीं	1997-02	न्यायपूर्ण वितरण तथा समानता के साथ विकास	5.5%
दसवीं	2002-2007	मानव विकास	7.8%
ग्यारहवीं	2007-2012	समावेशी विकास	8.1% (लक्ष्य)

विश्व के प्रमुख उद्योग केन्द्र

क्र.	केन्द्र	देश	उद्योग
1.	सान-फ्रांसिस्को	यू.एस.ए.	कम्प्यूटर एवं तकनीकी उद्योग
2.	पिट्सबर्ग	यू.एस.ए.	लौह-इस्पात
3.	पेरिस	फ्रांस	एयरक्राफ्ट व परिवहन
4.	लिवरपूल	ब्रिटेन	जलपोत निर्माण व तेल शोधन
5.	मानचेस्टर	ब्रिटेन	सूती वस्त्र उद्योग
6.	लंदन	ब्रिटेन	इंजीनियरिंग
7.	डबिश आयर	ब्रिटेन	ऊनी वस्त्र
8.	फ्रैंकफर्ट	जर्मनी	इंजीनियरिंग
6.	बीजिंग	चीन	वस्त्र, मशीन
10.	मराकड़बो	वेनेजुएला	तेल शोधन उद्योग
11.	सेंटियागो	चिली	शराब उद्योग
12.	राटरडम	नीदरलैण्ड	मेरिन इंजीनियरिंग व जलपोत निर्माण
13.	कोपेनहेगन	डेनमार्क	डेयरी उद्योग
14.	ओटावा	कनाडा	कागज उद्योग
15.	क्यूबेक	कनाडा	मेरिन इंजीनियरिंग व जलपोत निर्माण
16.	मॉंट्रियल	कनाडा	जलपोत एवं एयरक्राफ्ट
17.	शिकागो	यू.एस.ए.	मांस प्रसंस्करण
20.	रियो-डि-जेनेरियो	ब्राजील	वस्त्र उद्योग
21.	साओ पाउलो	ब्राजील	वस्त्र एवं कॉफी उद्योग
22.	नगोया	जापान	एयरक्राफ्ट, कार

23. ओसाका	जापान	लौह-इस्पात
24. डेट्रोयट	यू.एस.ए.	मोटर कार
25. लॉस एंजिल्स	यू.एस.ए.	फिल्म (हॉलीवुड)
26. मास्को	रूस	लौह इस्पात एवं रसायन
27. लेनिनग्राद (सेंट पीटर्सबर्ग)	रूस	लौह इस्पात व तेल शोधन
28. टोरंटो	कनाडा	इंजीनियरिंग व ऑटोमोबाइल
29. हेमिल्टन	कनाडा	लौह इस्पात व इंजीनियरिंग
30. मिलान	इटली	रेशमी वस्त्र
31. स्टॉकहोम	स्वीडन	जलपोत निर्माण
32. टोकियो	जापान	जलपोत, इंजीनियरिंग
33. शंघाई	चीन	वस्त्र व मशीन

अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पिक खेल

शुरूआत : आधुनिक ओलम्पिक खेलों की शुरूआत एथेंस से 1896 से शुरू हुई थी। तब से प्रत्येक चार वर्ष के अन्तराल पर इनका आयोजन हो रहा है।

महत्वपूर्ण तथ्य: निम्नलिखित तथ्यों को ध्यान में रखें-

क्र.	कौन सा	कब	कहाँ
1.	पहला	1896	एथेंस (ग्रीस)
2.	दूसरा	1900	पेरिस (फ्रांस)
3.	तीसरा	1904	सेंट लुइस (USA)
4.	छठा	1916	बर्लिन (जर्मनी) Ist World War के कारण नहीं हो सके।
5.	बारहवां	1940	टोक्यो (जापान) द्वितीय विश्व युद्ध के कारण नहीं हुए
6.	तेरहवां	1944	लंदन (ब्रिटेन) द्वितीय विश्व युद्ध के कारण नहीं हुए।
7.	चौदहवां	1948	लंदन ब्रिटेन
8.	29वें	2008	बीजिंग (चीन)
9.	30वें	2012	लंदन (ब्रिटेन) प्रस्तावित
10.	31वें	2016	रियो-डी-जेनेरो (ब्राजील) प्रस्तावित

विश्व के अब तक गए प्रमुख अंतरिक्ष पर्यटक निम्नलिखित हैं-

1.	डेनिस टीटो (USA)	:	2001
2.	मार्क शटलवर्थ (द० अफ्रीका)	:	2002
3.	ग्रेगरी ओल्सन (USA)	:	2005
4.	अनुशेह अंसारी (ईरानी, अमरीकी)	:	2006
5.	चार्ल्स सिमोन्ही (हंगरियन अमरीकी)	:	2007
6.	रिचर्ड गेरियट (USA)	:	2008
7.	गुई लार्लिनबर्त	:	2009

नोट : अमरीका के चार्ल्स सिमोन्ही ने दो बार यह उपलब्धि हासिल की है।

प्रमुख अंतरिक्ष यान

क्र.	अंतरिक्ष यान संबंधित	ग्रह
1.	मैसेंजर (नासा)	बुध
2.	कैसीनी	शनि एवं उसका उपग्रह टाइटन

